
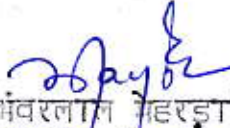




दिनांक	आज्ञा पत्र	
	<p>निहित है। प्रस्तुत अपील के समुचित निर्णय व प्रार्थी के हितों की रक्षा हेतु प्रार्थी व मृतक ईसरराम के उपरोक्त वर्णित वारिस्तान को ईसरराम के स्थान पर बतौर कायम मुकाम पक्षकार सुनियोजित किया जावे। तथा अपीलान्ट द्वारा आज दिनांक तक अपीलान्ट द्वारा कायम मुकाम नहीं करने के कारण अपील अबैट हो चुकी इस कारण अपील को खारिज किया जावे। बहस के समर्थन में आरएलडब्लू 2005 § 1 राज 0 पेज 443 प्रस्तुत की।</p> <p>विद्वान वकील अप्रार्थी/अपीलान्ट ने बहस प्रारंभ पत्र में कथन किया कि रैस्पोंडेन्ट की जिम्मेदारी थी की वह रैस्पोंडेन्ट संख्या-1 की मृत्यु की सूचना आदेश A-22 नियम-10 सीपीसी के तहत न्यायालय में पेश करते। इन्होंने रैस्पोंडेन्ट सं-1 की मृत्यु की सूचना नहीं दी। इस कारण इनका प्रार्थना पत्र अबैटमेंट का खारिज किया जावे तथा प्रार्थी व रैस्पोंडेन्ट संख्या-1 के वारिस्तान को रेकार्ड पर लिया जाता है तो अपीलान्ट को कोई रैतराज नहीं प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अबैटमेंट का खारिज किया जावे विद्वान वकील ने जो नजीर पेश की है। उसके तथ्य भिन्न है। प्रस्तुत प्रकरण में अबैटमेंट का समय निकल चुका प्रस्तुत प्रकरण में अबैटमेंट का समय नहीं निकला है। अतः प्रार्थना पत्र अबैटमेंट को खारिज किया जावे।</p>	

बहस बगौर समाहत की गई । प्रार्थना पत्र
बहस का अवलोकन किया गया । रेस्पोंडेन्ट संख्या-1
एवं अपीलान्ट एक ही गांव के रहने वाले है तथा रेस्पों
सं0-1 का हाल आबाद जूलियातर दर्ज किया है वह
भी सालातर से ज्यादा दूर नहीं है । ईसरराम की
मृत्यु दिनांक 31-7-2016 को हो गई और अपीलान्ट को
को आज दिनांक तक मालूम नहीं चला मानने योग्य
नहीं है । रेस्पोंडेन्ट सं0-1 के पुत्र शंकरलाल पुत्र
ईसरराम ने जरिये वकील यह प्रार्थना पत्र आदेश-1


श्री-प्रमन्य अधिकारी एवं
राज्य अपील अधिकारी
2016

दिनांक	आज्ञा पत्र	
	<p>नियम-10 सीपीसी का दिनांक 23-1-18 को पेश किया जिसको पेश किये की कायम मुकाम पेश करने एवं उपशासन का समय भी निकल चुका है। अपीलान्ट ने आज दिनांक तक कायम मुकाम की कार्यवाही नहीं की जिससे अपीलान्ट की अपील कायम मुकाम की कार्यवाही नहीं किये जाने से अपील का उपशासन हो गया जिससे अपील अबैट हो चुकी है। प्रस्तुत नजीर आरएलडब्लू 2005 1 1 राज0 पेज-143 में स्पष्ट है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र आदेश-1 नियम-10 सीपीसी स्वीकार किया जाकर रैस्पोंडेंट संख्या-1 की कायम मुकाम कार्यवाही समय पर नहीं किये जाने से यह अपील अबैट हो गई अपील अबैट होने से खारिज की जाती है। पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफतर हो।</p> <p>निर्णय सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  5/7/18 ॥ अंवरलाल मेहरड़ा ॥ अ-पदेन अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील अधिकारी सीकर </p>	